SAMPLE
QUESTION PAPERS

Part III
HINDI (Optional)
Std. XII

Department of Education
Govt. of Kerala
SCERT 2006

Prepared by

State Council of Educational Research and Training
Vidyabhavan, Poojappura, Thiruvananthapuram-12, Kerala

सामान्य मार्गनिर्देश

कार्यकालांत मूल्यांकन के लिए गतिविधियाँ तैयार करते समय निम्नांकित बातों पर अवश्य ध्यान देना चाहिए। गतिविधियाँ इनके अनुरूप होने चाहिए।

- प्रश्न-पत्र विस्तृत रूपरेखा (*Design and Blue Print*) के आधार पर तैयार करें।
- सभी प्रश्न पाठ्यचर्या उद्देश्यों पर आधारित हों।
- एक से अधिक पाठ्यचर्या उद्देश्यों को मिलाकर या एक पाठ्यचर्या उद्देश्य को विभाजित कर उसके आधार पर प्रश्न तैयार किया जा सकता है।
- प्रश्न अध्येता की उच्च चिंतन प्रक्रिया को उजागर करनेवाले हों।
- प्रश्न-पत्र में वस्तुनिष्ठ, लघूत्तर और निबंधात्मक प्रश्नों का समावेश करें।
- वस्तुनिष्ठ, लघूत्तर और निबंधात्मक प्रश्न एक निश्चित क्रम में आएँ, यह ज़रूरी नहीं है।
- केवल स्मृति परखने लायक प्रश्न छोड़ दें।
- छात्रों के सृजनात्मक चिंतन को बढ़ावा देने में सहायक खुलांत प्रश्नों (*Opne ended Questions*) का समावेश हों।
- प्रश्न-पत्र की सूचनाएँ सरल, स्पष्ट एवं संक्षिप्त हों।
- प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या नियत (*fixed*) नहीं होनी चाहिए। हर बार प्रश्नों की संख्या में कमोबेशी हो।
- प्रश्नों के क्रम में भी एकरूपता नहीं होनी चाहिए।

www.StudyGuideIndia.com

- एक प्रश्न-पत्र में स्कोर के 20% तक विकल्प (*choice*) दे सकते हैं। ऐसे अवसरों पर एक विकल्प में आनेवाले प्रश्नों की चिंतन प्रक्रियाएँ समान हों।
- प्रश्न के लिए समय नियत करते वक्त वाचन, मनन-चिंतन, लेखन आदि पर ध्यान दें।
- निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखने में सहायक संकेत प्रश्न-पत्र में दें।
- परीक्षा की अवधि 2½ घंटे होंगे। इसके अलावा पंद्रह मिनट का *कूल ऑफ़ टाइम* भी दिया जाएगा।
- एक प्रश्न का अधिकतम स्कोर पूर्णांक के 10-13 प्रतिशत से अधिक न हों।
- प्रश्न-पत्र में प्रत्येक प्रश्न का स्कोर अंकित करें।

मूल्यांकन सूचक

- मूल्यांकन सूचक चिंतन प्रक्रियाओं के आधार पर हों।
- मूल्यांकन किए जानेवाले तत्व स्पष्ट व निर्दिष्ट हों।
- खुलांत प्रश्नों के मूल्यांकन सूचकों में विविधता हो। अर्थात् उनमें विचारों की क्रमबद्धता, प्रासंगिकता, मौलिकता, सृजनात्मकता, प्रस्तुतीकरण आदि का समावेश हों।
- स्कोर का विवेक युक्त विभाजन हो।
- जब छात्र स्वनिर्मित ज्ञान को प्रस्तुत करेगा, तब भाषाई शुद्धता पर अधिक बल न दें।

www.StudyGuideIndia.com

पाठ्यचर्या उद्देश्य

बारहवीं कक्षा हिंदी ऐच्छिक में कार्यकालांत मूल्यांकन के लिए निम्नांकित पाठ्यचर्या उद्देश्य निश्चित हैं। प्रश्न इन्हीं पर आधारित हों।

- हिंदी साहित्य के कालविभाजन और आदिकाल की विभिन्न परिस्थितियों का सामान्य परिचय प्राप्त करना।
- आदिकालीन सामग्री का सामान्य परिचय प्राप्त करना।
- रसो काव्यों का सामान्य परिचय पाना।
- भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, भक्ति साहित्य की शाखाएँ निर्गुण काव्य परंपरा एवं प्रवृत्तियों की विशेषता आदि का सामान्य परिचय प्राप्त करना।
- कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व और अन्य संत कवियों का सामान्य परिचय प्राप्त करना।
- प्रेमकाव्य में जायसी का स्थान और उनके कृतित्व के बारे में सामान्य जानकारी प्राप्त करना।
- कृष्णकाव्य की पृष्ठभूमि, महाकवि सूरदास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, अन्य कृष्णभक्त कवि आदि का सामान्य परिचय प्राप्त करना।
- रामकाव्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर इसमें तुलसीदास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व पहचानना।
- रीतिकालीन परिस्थितियों का सामान्य परिचय प्राप्त करना।
- द्विवेदी युगीन भाषा, मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय तथा अन्य कवियों का परिचय पाना।

www.StudyGuideIndia.com

- छायावाद की प्रवृत्तियों के बारे में विशेष जानकारी प्राप्त करना।
- निराला की कविताओं की विशेषताओं की सामान्य जानकारी प्राप्त करना।
- 'प्रथम रश्मि' शीर्षक कविता का मुख्य आशय समझना और पंत की काव्यगत विशेषताएँ समझना।
- महादेवी वर्मा के बारे में जानकारी प्राप्त करना और 'मेरे दीपक' कविता की काव्यगत विशेषताएँ समझना।
- प्रसाद कृत 'हिमाद्रि तुंग श्रृंग से' कविता की विशेषता समझना।
- छायावादोत्तर काल का सामान्य परिचय प्राप्त करना।
- सुभद्राकुमारी चौहान की कविताओं की काव्यगत विशेषताएँ समझना।
- गद्य साहित्य के उद्‌भव और विकास की सामान्य जानकारी प्राप्त करना।
- उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, निबंध आदि विभिन्न विधाओं की जानकारी प्राप्त करना।

www.StudyGuideIndia.com

चिंतन प्रक्रियाएँ

मूल्यांकन अध्ययन-प्रक्रिया के साथ-साथ चलनेवाला कार्य है। इसमें अध्येता की चिंतन प्रक्रियाओं को अत्यधिक महत्व दिया जाता है। वास्तव में उपज तक पहुँचने में अध्येता जिन-जिन चिंतन प्रक्रियाओं से होकर गुज़रता है, उन्हीं का मूल्यांकन होता है। शिक्षा शास्त्रियों ने इन चिंतन प्रक्रियाओं पर गहन चिंतन किया है। मुख्य चिंतन प्रक्रियाएँ निम्नांकित हैं।

1 तथ्यों/विचारों को दोहराता है, पुनःस्मरण करता है तथा पुनःप्राप्त करता है।

2 पूर्वानुभवों का, नए ज्ञान से संबंध स्थापित करता है तथा प्राथमिक धारणा पर पहुँचता है।

3 साम्य और वैषम्य का पता लगाता है।

4 ज्ञान का उचित रूप से वर्गीकरण करता है तथा उसे क्रमबद्ध करता है।

5 अर्जित ज्ञान का अंतरण (*Transfer*) करता है तथा उसका नए संदर्भ में प्रयोग करता है।

6 कार्य-कारण संबंध स्थापित करता है।

7 पूर्व ज्ञान का नए ज्ञान से संबंध जोड़ता है। विवेक से काम लेता है तथा अनुमान लगाता है।

8 ज्ञान/विचार को विभिन्न विधाओं द्वारा अभिव्यक्त करता है।

9 अर्जित ज्ञान के आधार पर कल्पना करता है, रूपायित करता है तथा पूर्वानुमान लगाता है।

10 तर्कसंगत विश्लेषण करता है, समर्थन करता है, मूल्यांकन करता है, निष्कर्ष पर पहुँचता है, आस्वादन करता है, सृजन करता है।

www.StudyGuideIndia.com

SAMPLE
QUESTION PAPER - 1

www.StudyGuideIndia.com

CONTENT

- Weightage to Curriculum Objectives
- Weightage to Type of Questions
- Blue Print
- Question Paper
- Scoring Key
- Questionwise Analysis

1. WEIGHTAGE TO CURRICULUM OBJECTIVES

Sl. No.	*Unit/Curriculum Objectives*	*No. of Qns*	*Score*	*% of Score*
1	• छायावादी एवं प्रगतिवादी काव्यधारा की विशेषताओं का परिचय पाना।	1	10	12.5
2	• हिंदी के गद्य साहित्य के विभिन्न विधाओं की जानकारी पाना।	1	12	15
3	• निरालाजी की कविताओं की विशेषताओं की सामान्य जानकारी पाना।	1	12	15
4	• रीतिकालीन काव्यधारा की जानकारी पाना।	1	10	12.5
5	• नई कविता की सामान्य जानकारी पाना।	1	10	12.5
6	• हिंदी भाषा के उद्भव एवं विकास के संबंध में जानकारी पाना।	1	12	15
7	• कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की जानकारी पाना।	1	8	10
8	• सूरदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की सामान्य जानकारी पाना।	1	6	7.5
	Total	**8**	**80**	**100**

www.StudyGuideIndia.com

2. WEIGHTAGE TO TYPE OF QUESTIONS

Sl. No.	*Type of Question*	*No. of Qns*	*Score*	*% of Score*
1	वस्तुनिष्ठ	0	0	0
2	लघूत्तर	1	6	7.5
3	निबंधात्मक	7	74	92.5
4	अन्य	0	0	0
	कुल	**8**	**80**	**100**

www.StudyGuideIndia.com

3. BLUE PRINT

Curriculum Objectives	*Question Type*				*Total Score*
	O	*SA*	*E*	*Other*	
• छायावादी एवं प्रगतिवादी काव्यधारा की विशेषताओं का परिचय पाना।			10		10
• हिंदी के गद्य साहित्य के विभिन्न विधाओं की जानकारी पाना।			12		12
• निरालाजी की कविताओं की विशेषताओं की सामान्य जानकारी पाना।			12		12
• रीतिकालीन काव्यधारा की जानकारी पाना।			10		10
• नई कविता की सामान्य जानकारी पाना।			10		10
• हिंदी भाषा के उद्भव एवं विकास के संबंध में जानकारी पाना।			12		12
• कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की जानकारी पाना।			8		8
• सूरदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की सामान्य जानकारी पाना।		6			6
Total		**6**	**74**		**80**

www.StudyGuideIndia.com

4. SAMPLE QUESTION PAPER - 1

HSE II | Part III **HINDI** | Time : 2½ Hrs. Max Score : 80

सामान्य निर्देश

- सभी प्रश्न और उनसे संबंधित सूचनाएँ ध्यान से पढ़िए।
- पंद्रह मिनट का *कूल ऑफ़ टाइम* दिया जाएगा। तभी प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आवश्यक समय नियत करें।
- दो प्रश्नों में विकल्प *(choice)* हैं।

सूचना : छायावादी काव्य की कुछ प्रमुख प्रवृत्तियाँ निम्नांकित हैं।

- प्रकृति का मानवीकरण
- सूक्ष्म भावों का वर्णन
- प्रेम-भावना एवं सौंदर्य चेतना
- नवीन अभिव्यंजना शैली

1 इन बिंदुओं के आधार पर 'प्रथम रश्मि' शीर्षक कविता की विवेचना करें। 10

अथवा

श्री. शिवमंगल सिंह 'सुमन' प्रगतिवादी काव्यधारा के सशक्त कवि हैं। प्रगतिवादी काव्य की कुछ विशेषताएँ निम्नांकित हैं।

- साम्यवादी विचारधारा का प्रस्फुटन
- स्वतंत्रता के प्रति आग्रह
- शोषितों के प्रति सहानुभूति आदि।

इन बिंदुओं के आधार पर 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के' शीर्षक कविता की आस्वादन टिप्पणी लिखें।

सूचना : आधुनिक हिंदी नाट्य साहित्य का इतिहास भारतेंदु युग से आरंभ होता है। जयशंकर प्रसाद, लक्ष्मीनारायण लाल, लक्ष्मीनारायण मिश्र, मोहन राकेश, जगदीशचंद्र माथुर, सुरेंद्र वर्मा, दयाप्रकाश सिन्हा आदि से होकर उसका विकास हुआ है। नाटक की इस विकास-यात्रा में अनेक महत्वपूर्ण नाटक रचे गए हैं।

2 आधुनिक नाटक की विकास-यात्रा, महत्वपूर्ण प्रवृत्तियाँ, प्रमुख नाटक एवं नाटककारों का उल्लेख करते हुए विस्तृत विवरण तैयार करें। 12

www.StudyGuideIndia.com

3 'जागो फिर एक बार' कविता में सूर्यकांत त्रिपाठी निरालाजी प्रकृति के माध्यम से अस्वतंत्र भारत की जनता को आलस्य छोड़कर जागने और स्वतंत्रता-संग्राम में भाग लेने का आह्वान देते हैं। कवि ने प्रकृति के किन-किन उपकरणों का उपयोग किया है। इनका इशारा करते हुए निराला जंयती के अवसर पर प्रस्तुत करने हेतु एक संगोष्ठी आलेख तैयार करें। 12

4 हिंदी साहित्य के रीतिकाल में कविता स्वांतसुखाय न रहकर राजदरबार की वस्तु रह गई। काव्य रचना के साथ-साथ रस, अलंकार आदि काव्यांगों पर भी विवेचना हुई। रीतिबद्ध, रीतिमुक्त, रीतिसिद्ध आदि धाराओं के कवि काव्य-रचना में तल्लीन रहे। बिहारी, केशव दास, मतिराम, भूषण, रहीम जैसे कवियों ने रीतिकाल की कविता को संपुष्ट किया। आप की कक्षा में 'बिहारी बोधिनी' शीर्षक विशेषांक की तैयारी होनेवाली है। उसमें प्रकाशित करने के लिए बिहारी के काव्य-सौंदर्य पर प्रकाश डालते हुए उनके पाँच नीतिपरक दोहों में निहित भावों का उल्लेख करें। 10

5 प्रयोगशील कविता का सहज विकास ही नई कविता है। आधुनिकता, वैयक्तिकता एवं सामाजिकता का सामंजस्य, नया सौंदर्यबोध, बौद्धिकता, प्रतीकात्मकता, गद्यात्मक शैली आदि नई कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ हैं। इन प्रवृत्तियों को ध्यान में रखकर एक साहित्यकार का साक्षात्कार लेने के लिए प्रश्नावली तैयार करें।
(कम से कम दस प्रश्न तैयार करें।) 10

6 चौदह सितंबर को हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर भारतीय भाषा सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। इस सिलसिले में विभिन्न भाषाएँ अपनी आत्मकथा का अंश प्रस्तुत करेंगी। मान लीजिए कि आप हिंदी भाषा हैं। सम्मेलन में प्रस्तुत करने के लिए आप अपना आत्मकथांश तैयार करें। निम्नांकित बिंदुओं की मदद लें। 12

- हिंदी शब्द की उत्पत्ति सिंधु से
- हिंद की भाषा के रूप में
- पश्चिमी हिंदी
  खड़ीबोली, ब्रज, कन्नौजी, बांगरू, बुंदेली
- पूर्वी हिंदी – अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी
- अपभ्रंश – शौरसेनी अपभ्रंश से विकास
  खड़ीबोली
  राजभाषा/संपर्क भाषा

www.StudyGuideIndia.com

7 हाल ही में समाचार पत्रों में आए ये सुर्खियाँ पढ़ें।

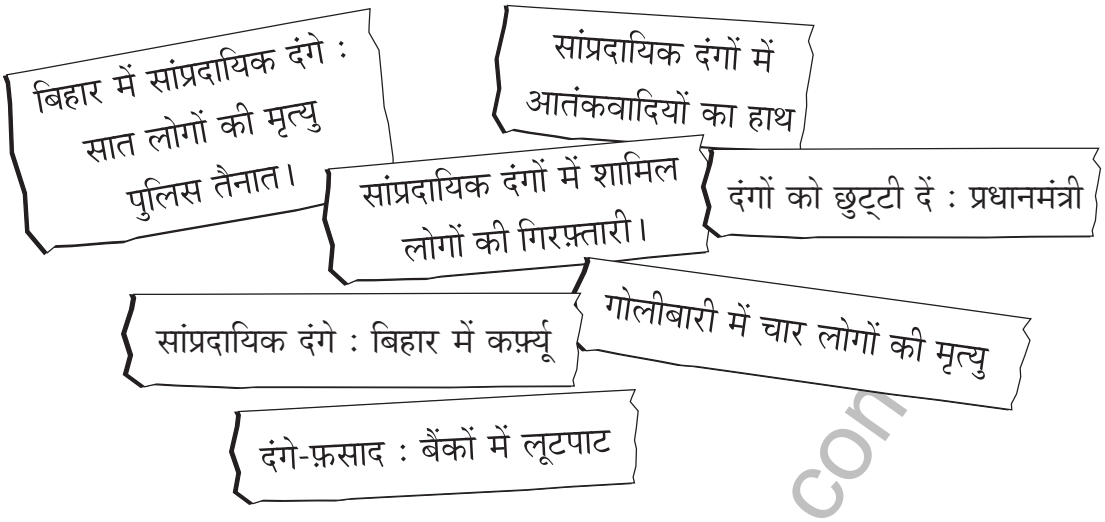

समाज में सांप्रदायिक दंगों का बोलबाला है। इन दंगों के विरुद्ध जनता को सतर्क और सजग बनाने की आवश्यकता है। इस संदर्भ में कबीर की वाणी की बड़ी माँग है। मान लीजिए, आप एक समाचार पत्र के संपादक हैं। वर्तमान संदर्भ में कबीर की वाणी की प्रासंगिकता पर एक संपादकीय टिप्पणी लिखें। 8

8 सूरदास के इस पद के आधार पर कृष्ण और यशोदा के बीच के संवाद लिखें। 6

मैया मोहि दाऊ बहुत खिझायो।
मोसों कहत मोल को लीनौ, तोहि जसुमति कब जायो?
कहा कहौं यहि रिस के मारे, खेलन हौं नहिं जात।
पुनि पुनि कहत कौन है माता, को है तुमरो तात।
गोरे नंद जसोदा गोरी, तुम कद स्याम सरीर!
चुटकी दै-दै हँसत ग्वाल सब, सिखै देत बलबीर।
तू मोही को मारन सीखी, दाउहिं कबहुँ न खीझै।
मोहन को मुख रिस समेत लखि, जसुमति सुनि-सुनि रीझै।
सुनहुँ कान्ह बलभद्र चबाई, जनमत ही कौ धूत।
सूरस्याम मोहि गोधन की सौं, हौं माता, तू पूत।।

अथवा

'टेलिविशन के कार्यक्रमों से हानि-लाभ' विषय पर पिता और बेटी के बीच के संवाद को कल्पना करके लिखें।

www.StudyGuideIndia.com

5. SCORING KEY

Question No.	*Scoring Indicators*	*SCORE*	
		Per Indicator	*Total*
1	• कविता का आस्वादन किया है। • कविता के आधार पर बिंदुओं का विश्लेषण किया है। • काव्यधारा की विशेषताएँ लिखी हैं।	3 3 4	10
2	• नाटक के विकास के बारे में लिखा है। • महत्वपूर्ण प्रवृत्तियों पर प्रकाश डाला है। • प्रमुख नाटक एवं नाटककारों का उल्लेख किया है।	4 4 4	12
3	• कविता का आशय ग्रहण किया है। • कविता का विश्लेषण किया है। • विषयानुकूल आलेख तैयार किया है। • आलेख की शैली अपनाई है।	3 3 3 3	12
4	• दोहों का भाव ग्रहण किया है। • दोहों का विश्लेषण किया है। • बिहारी के काव्यसौंदर्य पर प्रकाश डाला है। • रीतिकालीन विशेषताओं से दोहों की तुलना की है।	2 2 3 3	10
5	• नई कविता की विशेषताओं का विश्लेषण किया है। • उचित प्रश्नावली तैयार किया है। • प्रश्नावली नई कविता के आधार पर हैं।	3 4 3	10

www.StudyGuideIndia.com

Question No.	*Scoring Indicators*	*SCORE*	
		Per Indicator	*Total*
6	• मुख्य बिंदुओं को विकसित किया है। • हिंदी भाषा के उद्‌भव एवं विकास को आत्मकथांश के रूप में प्रस्तुत किया है। • आत्मकथा की शैली अपनाई है।	5 5 2	12
7	• सुर्खियों का आशय ग्रहण किया है। • सुर्खियों से कबीर वाणी की तुलना की है। • वर्तमान संदर्भ में कबीर की वाणी के महत्व का समर्थन किया है। • संपादकीय शैली में लिखा है।	2 2 3 1	8
8	• पद का आशय ग्रहण किया है। • पद का विश्लेषण किया है। • कल्पना करके वार्तालाप लिखा है। • प्रसंगानुकूल भाषा का प्रयोग किया है।	1 1 2 2	6

www.StudyGuideIndia.com

6. QUESTIONWISE ANALYSIS

Qn No.	*Curriculum Objectives*	*Mental Process*	*Type of Qn.*	*Score*	*Time (Mts)*
1	• छायावादी एवं प्रगतिवादी काव्यधारा की विशेषताओं का परिचय पाना।	2,4,7 8,9	E	10	20
2	• हिंदी के गद्य साहित्य के विभिन्न विधाओं की जानकारी पाना।	2,4,7 8,9	E	12	20
3	• निरालाजी की कविताओं की विशेषताओं की सामान्य जानकारी पाना।	2,4,7 8,9	E	12	20
4	• रीतिकालीन काव्यधारा की जानकारी पाना।	2,4,6 8,9	E	10	20
5	• नई कविता की सामान्य जानकारी पाना।	2,4,6 8,9,10	E	10	20
6	• हिंदी भाषा के उद्भव एवं विकास के संबंध में जानकारी पाना।	1,2,3 8,9,10	E	12	20
7	• कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की जानकारी पाना।	2,5 8,10	E	8	15
8	• सूरदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की सामान्य जानकारी पाना।	2,4 8,9	E	6	15

www.StudyGuideIndia.com